“सभी भविष्यद्वक्ताओं और कानून ने यहोहन तक भविष्यवाणी
क्यों की?” का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

पहले संदर्भ में इस पद को पढ़ते हैं:

मत्ती 11:12-13

“यहोहन मसीह के दिन से लेकर अब तक स्वर्ग का राज्य
ज़बरदस्ती झेल रहा है, और ज़बरदस्त लोग उसे ज़बरदस्ती पकड़ लेते हैं। क्योंकि सब भविष्यद्वक्ताओं और कानून ने यहोहन
तक भविष्यवाणी की है।”

सामान्य तौर पर, पद 13 का अर्थ ऐसा लग सकता है कि कानून और भविष्यद्वक्ताओं (पुराना नियम) ने विशेष रूप से यहोहन का आगमन भविष्यवाणी की। लेकिन यीशु ऐसा नहीं कह रहे हैं।

इसके बजाय, वह उद्धार के इतिहास में एक बदलाव की बात कर रहे हैं। “कानून और भविष्यद्वक्ता” यहूदी लोगों की ओर से हिब्रू शास्त्रों के लिए एक सामान्य शब्द है (देखें मत्ती 5:17, लूका 24:44)। ये शास्त्र परमेश्वर के इज़राइल के साथ संधि के नियम थे, जो मूसा के माध्यम से आदेश देते थे और भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से परमेश्वर की इच्छा बताते थे।

“सभी भविष्यद्वक्ताओं और कानून ने यहोहन तक भविष्यवाणी
क्यों की?” का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

परमेश्वर की योजना में एक मोड़

यीशु यहोहन को पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं की अंतिम कड़ी बताते हैं — पुराने वाचा के अन्तिम संदेशवाहक जो मसीह के मार्ग को तैयार करता है (देखें यशायाह 40:3, मलाकी 3:1; 4:5)।

लूका 16:16

“कानून और भविष्यद्वक्ता यहोहन तक थे; तब से परमेश्वर के
राज्य की अच्छी खबर प्रचारित हो रही है, और सब लोग उसमें
प्रवेश पाने के लिए जोर लगा रहे हैं।”

यह लूका का पद उसी बात को स्पष्ट रूप से कहता है। यहोहन की उपस्थिति एक युग के अंत और दूसरे की शुरुआत का संकेत है — परमेश्वर के राज्य का आरंभ, सुसमाचार की प्रचार के द्वारा।

पुराना वाचा बनाम नया वाचा

पुराने वाचा के तहत:

“सभी भविष्यद्वक्ताओं और कानून ने यहोहन तक भविष्यवाणी
क्यों की?” का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

परमेश्वर तक पहुंच पुरोहितों, मंदिर और बलिदानों के माध्यम से थी (देखें लैव्यव्यवस्था)।
लोग भविष्यद्वक्ताओं पर निर्भर थे कि वे परमेश्वर की बात सुनाएं (देखें 1
शमूएल 3:1)।
क्षमा अस्थायी और प्रतीकात्मक थी, अनुष्ठान और कानून से जुड़ी थी (इब्रानियों 10:1-4)।

परंतु नए वाचा के तहत, जो मसीह के द्वारा स्थापित हुआ:

यीशु हमारे महायाजक हैं (इब्रानियों 4:14-16), जो हमें परमेश्वर के पास सीधे पहुंच देते हैं।
पवित्र आत्मा अब विश्वासियों के भीतर वास करता है, और उन्हें भीतर से मार्गदर्शन और मनौती देता है (यूहन्ना 14:26; रोमियों 8:14)।
यीशु के बलिदान के माध्यम से क्षमा पूर्ण और शाश्वत है (इब्रानियों 10:10-14)।

इब्रानियों 1:1-2

“परमेश्वर ने प्राचीन काल में अनेक बार और अनेक प्रकार से हमारे पूर्वजों से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा, पर इन
अंतिम दिनों में उसने हमें पुत्र के द्वारा कहा…”

इसलिए जब यीशु कहते हैं कि “कानून और भविष्यद्वक्ताओं ने यहोहन तक भविष्यवाणी की,” तो वे उस पुराने तरीके का अंत बता रहे हैं जिससे परमेश्वर अपने लोगों से बात करता था। यहोहन के बाद से

“सभी भविष्यद्वक्ताओं और कानून ने यहोहन तक भविष्यवाणी
क्यों की?” का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

राज्य की अच्छी खबर प्रचारित हो रही है — न केवल इज़राइल के लिए, बल्कि हर विश्वास रखने वाले के लिए।

“राज्य हिंसा सह रहा है” – इसका क्या मतलब है?

मत्ती 11:12, “स्वर्ग का राज्य हिंसा सह रहा है, और हिंसक लोग उसे ज़बरदस्ती पकड़ लेते हैं,” थोड़ा जटिल है, पर यहां एक संतुलित व्याख्या है:

“हिंसा सहना” संभवतः उस आध्यात्मिक संघर्ष और विरोध को दर्शाता है जो परमेश्वर के राज्य के आगमन के साथ जुड़ा है। सुसमाचार अंधकार की शक्तियों और मनुष्य की पापी प्रवृत्ति से टकराव लाता है।
“हिंसक लोग उसे ज़बरदस्ती पकड़ लेते हैं” उन लोगों की ओर इशारा करता है जो सुसमाचार पर तीव्र, दृढ़ विश्वास के साथ प्रतिक्रिया करते हैं और बाधाओं को
पार कर राज्य को प्राप्त करते हैं (देखें लूका 13:24 – “मेहनत करो कि अंदर जाओ…”)।

दूसरे शब्दों में, यीशु इस बात को उजागर करते हैं कि सुसमाचार का जवाब देने में कितनी तत्परता और आध्यात्मिक प्रयास चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि हम कर्मों से बचत कमाते हैं — बल्कि कि परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए गंभीर समर्पण, पाप से परित्याग और मसीह में पूर्ण विश्वास आवश्यक है।

“सभी भविष्यद्वक्ताओं और कानून ने यहोहन तक भविष्यवाणी
क्यों की?” का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

आज हमारे लिए इसका क्या अर्थ है?

हमें अब किसी भविष्यद्वक्ता या पुरोहित की जरूरत नहीं कि वह हमें परमेश्वर के निकट लाए। यीशु मसीह के माध्यम से मार्ग खुल चुका है:

इब्रानियों 10:19-22

“इसलिए, हे भाइयो, हमारे पास यीशु के रक्त द्वारा पवित्र स्थान में प्रवेश करने की निर्भीकता है; तो चलो सच्चे हृदय
से और पूर्ण विश्वास की आशा के साथ निकट जाएं…”

परमेश्वर के वचन के लिए भविष्यद्वक्ता का इंतजार खत्म हो गया है। आज हर विश्वास वाला परमेश्वर के साथ संबंध में चल सकता है, जो शास्त्र और पवित्र आत्मा द्वारा मार्गदर्शित होता है।

आइए, पूरे मन से उस राज्य के लिए प्रयत्न करें। परमेश्वर का राज्य खुला है — पर हमें विश्वास, पश्चाताप, और आध्यात्मिक भूख के साथ इसे प्राप्त करना होगा।

याकूब 4:8

“सभी भविष्यद्वक्ताओं और कानून ने यहोहन तक भविष्यवाणी क्यों की?” का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

“परमेश्वर के निकट आओ, वह तुम्हारे निकट आएगा।”

ईश्वर हमें उनकी राज्य को गंभीरता से खोजने और उसमें विश्वासपूर्वक रहने में मदद करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp